अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष—10 अंक—235 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ बुधवार 24 नवम्बर 2021 पृष्ठ — 8 मूल्य—3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

रंगदारी वसूलने वाला शातिर हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

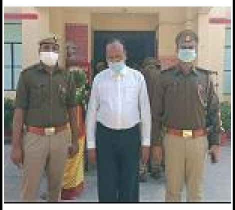

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। थाना कोतवाली सदर, जनपद उन्नाव पुलिस अधीक्षक के कुशल मार्गदर्शन एवं अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी नगर के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोतवाली सदर पुलिस द्वारा रंगदारी वसूलने वाले शातिर हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया गया।

महिला केआपत्ति जनक पोस्टर दीवालों पर चिपकाकर बदनाम करने पर मुकदमा दर्ज

अवध की आवाज

कदौरा/जालौन । महिला की आपत्ति जनक फोटो खींचकर कर महिला को ब्लैक मेल करना एव बात न मानने पर उक्त फोटो शोषल मीडिया सहित शहर की दीवालों में चिपकाकर बदनाम कर देने से क्षुब्द महिला द्वारा पुलिस से शिकायत कर आरोपी के खिलाप मुकदमा दर्ज करवाया गया।वही सूचना मिलते ही पुलिस द्वारा एक आरोपी को दबोच करते हुए मामले में जांच की जा रही है। ज्ञातव्य हो कि थाना कदौरा क्षेत्रीय महिला द्वारा मंगलवार को पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि पास के ही एक युवक द्वारा उसे 6 माह से इस बात पर ब्लैक मेल किया जा रहा था कि उसकी आपत्ति जनक तस्वीर उसके पास है यदि आरोपी की मांग पूरी नही हुई तो वह उसे बदनाम कर देगा।जब महिला द्वारा इस बात पर आपत्ति लगाई तो किसी अज्ञात के द्वारा महिला की आपत्तिजनक तस्वीर शोषल मीडिया पर डाल दी जब इतने से पेट नही भरा तो शहर की दीवालों पर महिला की आपत्तिजनक तस्वीर के पोस्टर लगवा दिए गए मंगलवार अलसुबह लोगो द्वारा उक्त पोस्टर देख हड़कम्प मच गया जब उक्त घटना की जानकारी महिला को हुई तो शर्मसार हुई महिला शिकायत लेकर थाने पहुंची व पुलिस को बताया कि एक युवक उसे काफी समय से ब्लैक देकर धमका रहा था और उसी ने अपने दोस्तों की मदद से ये पोस्टर लगवाकर उसे बदनाम कर दिया है। मामले को पुलिस द्वारा गम्भीरता से लेते हुए तत्काल आरोपी युवक को दबोच लिया गया एव सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए बताया कि महिला के आपत्तिजनक फोटो शोषल मीडिया सहित सार्वजनिक स्थल में पोस्टर चिपका बदनाम किया गया है आरोपी डब्बू के खिलाप मुकदमा दर्ज किया गया है एव मामले की जांच की जा रही उक्त कृत्य में और जो लोग सम्मलित होंगे उनके खिलाप भी कार्यवाही की जाएगी। वही आरोपी पक्ष द्वारा कहा गया कि उसके द्वारा ये पोस्टर नही लगवाए गए है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सिख समाज के लिए बहुत काम किये : नड्डा

कानपुर (वेब वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने

मंगलवार को दावा किया कि सिख समाज के लिए जितना काम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया है, उतना किसी ने नहीं किया है। नड्डा ने उत्तर प्रदेश के अपने दौरे के दूसरे दिन यहां नामदेव गुरुद्वारे में मत्था टेकने के बाद कहा, ''मैं भाजपा का सिपाही होने के नाते गुरु नामदेव जी के चरणों में शीश झुकाते हुए इस बात को गौरव के साथ कह सकता हूं कि जितना काम सिख समुदाय और सिख भाइयों के लिए हमारे प्रधानमंत्री मोदी ने किया है, उतना किसी और ने नहीं किया है।'' नड्डा गत तीन अक्टूबर को लखीमपुर खीरी हिंसा में चार सिख किसानों समेत आठ लोगों की मौत के बाद देशव्यापी हंगामे के बाद राज्य में सिखों के बीच पहली बार पहुंचे। इस दौरान राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। गुरुद्वारे में सिख समाज को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा, '' सिख समुदाय के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने काफी काम किये हैं और उनकी पुरानी मांगों को पूरा किया है। प्रधानमंत्री ने 1984 के दंगों के मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया और दंगों में शामिल लोगों को जेल भेजने का काम किया है, भले ही वे कितने भी प्रभावशाली क्यों न हों।'' गौरतलब हैं कि लखीमपुर खीरी में गत तीन अक्टूबर को उस समय हिंसा भड़क उठी थी, जब किसान उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के केंद्रीय गशह राज्य मंत्री अजय मिश्रा 'टेनी' के पैतशक आवास जाने का विरोध कर रहे थे। इसके बाद हुई हिंसा में चार

आंदोलनकारी किसानों को एक वाहन ने कथित तौर पर कुचल दिया था, जबकि एक पत्रकार, भाजपा के दो कार्यकर्ताओं सहित चार अन्य की भी मौत हो गई थी। इस मामले में केंद्रीय गशह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा को आरोपी बनाया गया है। इस घटना के बाद आशीष और उसके साथियों को एसआईटी ने गिरफ्तार कर लिया था। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, ''आज मुझे बाबा नामदेव के चरणों में और इस गुरुद्वारे में आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, यह सौभाग्य जब तक बाबा की इच्छा न हो तब तक प्राप्त नहीं होता। आज मुझे उनका आशीर्वाद मिला और मैं कानपुर आया और सबसे पहले बाबा के चरणों में शीश झुकाने का सौभाग्य मिला है।'' बाबा नामदेव के जीवन पर प्रकाश डालते हुए नड्डा ने कहा, ''ऐसे महापुरुष के गुरुद्वारे में आना अपने आप में प्रेरणा भी देता है, दृष्टि भी देता है और दिशा भी देता है।'' नड्डा ने पार्टी के क्षेत्रीय कार्यालय और सात अन्य जिला कार्यालयों का उद्घाटन भी किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, '' हमेशा कहता हूं कि पथ के पथिक को रुकना नहीं, हमेशा चलते रहना है। पार्टी को मजबूत करना ही हमारा लक्ष्य है।'' उन्होंने कहा, '' पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने एक बात कही थी— सिद्धांतहीन राजनीति मौत का फंदा होती है।'' उद्घाटन समारोह में शामिल होने के बाद नड्डा निराला नगर के रेलवे मैदान में कानपुर, झांसी और चित्रकूट समेत तीन मंडलों (कानपुर—बुंदेलखंड क्षेत्र) के बूथ अध्यक्षों की बैठक को भी संबोधित करेंगे। नड्डा चुनाव प्रचार के मकसद से और राज्य में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले चुनावी तैयारियों का जायजा लेने के लिए सोमवार से ही राज्य के दो दिवसीय दौरे पर हैं।

लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के थाना जानकीपुरम मे शुक्ला चौराहा चौकी का हुआ उद्घाटन

अवध की आवाज

लखनऊ। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के नॉर्थ जोन में थाना जानकीपुरम प्रभारी कुलदीप सिंह ठाकुर के निर्देशन में थाना जानकीपुरम प्रभारी कुलदीप सिंह गौर के क्षेत्र में चौकी का उद्घाटन करवाया जा रहा है जिससे क्षेत्र के

गौर ने शुक्ला चौराहा चौकी का करवाया उद्घाटन जिसमेंआईपीएस प्राची सिंह व एसीपी अलीगंज सैयद अली अब्बास एवं थाना प्रभारी जानकीपुरम कुलदीप सिंह गौर व थाने के उप निरीक्षक कांस्टेबल रहे मौजूद। पुलिसिंग को बेहतर करने में लगातार लखनऊ कमिश्नर डीके लोगों को पुलिस का पूर्ण सहयोग मिल सके। उद्घाटन के समय मौजूद व्यापारी गण क्षेत्रीय गणमान्य लोग आदि लोग मौजूद वहीं पर लोगों ने आईपीएस प्राची सिंह एसीपी सैयद अली अब्बास व थाना प्रभारी जानकीपुरम कुलदीप सिंह गौर ने पुलिस झंडा दिवस की शुभकामनाएं।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ जी को उनके सरकारी आवास पर पुलिस झंडा दिवस के अवसर पर पुलिस महानिदेशक मुकुल गोयल ने पुलिस कलर (झंडा) लगाया। मुख्यमंत्री जी ने सभी पुलिसकर्मियों को पुलिस झंडा दिवस की शुभकामनाएं दी।

शिवपाल ने अखिलेश को गठबंधन या विलय पर निर्णय के लिए दिया एक हफ्ते का समय

लखनऊ (वेब वार्ता)। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया (पीएसपीएल) के अध्यक्ष शिवपाल यादव ने अपने अलग हुए भतीजे और समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव को गठबंधन या विलय पर निर्णय लेने के लिए एक सप्ताह का अल्टीमेटम दिया है। शिवपाल ने संवाददाताओं से कहा, हम सपा में विलय के लिए तैयार हैं। अगर एक सप्ताह के भीतर ऐसा नहीं होता है तो हम लखनऊ में एक सम्मेलन करेंगे और अपने लोगों से सलाह—मशविरा करके फैसला लेंगे। शिवपाल ने सोमवार रात लखनऊ में सपा सुप्रीमो मुलायम सिंह यादव से भी मुलाकात की और कहा जाता है कि उन्होंने उनसे इस मुद्दे पर चर्चा की। उन्होंने कहा, हमारी प्राथमिकता सपा के साथ गठबंधन करना है। नेताजी (मुलायम) के जन्मदिन पर, पूरे राज्य के लोग गठबंधन की उम्मीद कर रहे थे, जो कुछ भी होता है, वह जल्दी होना चाहिए। उन्होंने कहा, नेताजी ने न केवल हमें सिखाया है, बल्कि हमें कुश्ती के दांव और राजनीति के गुर भी सिखाए हैं। एकता में ताकत है। परिवार में विभाजन होता है तो कई नुकसान झेलने को मिल सकते हैं। हमें अपने

समर्थकों से 100 सीटें चाहिए, लेकिन अब हम पीछे हट गए हैं, हम झुक गए हैं। आज यह कहते हुए दो साल हो गए, लेकिन अभी तक कुछ भी तय नहीं हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि गठबंधन के साथ—साथ सपा को भी उन लोगों को टिकट देना चाहिए जो जीत की स्थिति में हैं। हम विलय के लिए तैयार हैं। समय समाप्त हो रहा है और जल्द ही निर्णय लिया जाना चाहिए। पीएसपीएल प्रमुख ने कहा कि उन्होंने हमेशा बलिदान दिया है। उन्होंने कहा, मैं चाहता तो साल 2003 में मुख्यमंत्री बन सकता था, लेकिन मायावती के बीजेपी गठबंधन से बाहर होने के बाद मैंने नेताजी को दिल्ली से बुलाकर मुख्यमंत्री बनाया था। उस वक्त बीजेपी के 25 विधायकों समेत अजीत सिंह, कल्याण सिंह भी हमारे साथ थे। शिवपाल ने कहा कि लोग पीएसपीएल को छोटी पार्टी कहते थे, लेकिन मथुरा से सामाजिक परिवर्तन यात्रा शुरू होने के बाद लोगों को पता चला है कि हम एक ताकत हैं।

हटिया मेले में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतापगढ़ टीम प्रथम एवं सरदार भगत सिंह टीम द्वितीय होने का मिला सम्मान

अवध की अवाज

लखनऊ। राजधानी के ब्लॉक गोसाईं गंज अंतर्गत ग्राम पंचायत महमूदपुर में बड़े बाबा एवम् भुइया बाबा देव स्थान पर सदियों से आयोजित होता चला आ रहा हटिया मेला वर्ष फिर दो दिवसीय मेले का आयोजन दिनांक 21 व 22 नवंबर को किया गया इस अवसर पर विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी गोसाईं गंज प्रधान संघ महामंत्री प्रधान सर्वेश कुमार द्वारा कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया कबड्डी प्रतियोगिता 21 नवंबर से 22 नवंबर तकचली जिसका फाइनल मुकाबला 22 नवंबर को हुवा। प्रतियोगिता में राज्य स्तरीय सहित कुल 22 टीमों ने भाग लिया। जिसमे प्रतापगढ़ टीम प्रथम एवं सरदार भगत सिंह टीम द्वितीय विजयी घोषित हुवी। जीती टीमों को मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद विधायक अंब्रीश सिंह पुष्कर के द्वारा एक एक ट्रैक सूट एवं नकद पुरस्कार सप्रेम भेंट कर सम्मानित किया गया विशिष्ट अतिथि के रूप में आप पार्टी के

विधान सभा प्रत्याशी सूरज रावत प्रधान, प्रधान संघ अध्यक्ष जिर्तेद्र कुमार जीतू व मेला समित अध्यक्ष प्रधान महमूदपुर सर्वेश कुमार ने खिलाड़ियों को नकद पुरुस्कार देकर उत्साह वर्धन कर शुभ कामनाएं दी। इस दौरान प्रधान सुनील यादव भटवारा ,प्रधान दिनेश यादव सेखनापुर प्रधान राजा रावत शिवलर प्रधान प्रतिनिधि दीपक कुमार बाजूपुर, प्रधान अतर सिंह यादव, नूरपुर बेहटा, प्रधान जहांगीरपुर धनराज यादव, बी डी सी राकेश कुमार अधिवक्ता दुर्गेश कुमार अम्बेडकर, अधिवक्ता इकबाल सिंह, अधिवक्ता बलराम, व अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। मेला समिति के भूत पूर्व प्रधान अयोध्या प्रसाद, अवधेश गौतम, सोनू पंडित, पूर्व प्रधान पति चंद्र शेखर, पूर्व बी डी सी इंसान मोहम्मद, अंकुर निगम, राजेंद्र गौतम, सौरभ निगम, माता प्रसाद, उदय राज लोधी, जागेश्वर लोधी, कुलदीप साहू, जितेंद्र विश्वकर्मा, अनिल कुमार, राम किशोर, दिनेश कुमार, पवन कुमार, राम किशोर प्रजापति, बबलू रावत,जगदीश लोधी आदि लोगों का विशेष सहयोग रहा। प्रतियोगिता में कॉमेंटेटर के रूप में मीसा क्षेत्र पंचायत सदस्य रूपचंद्र, रेफरी निर्णायक के रूप में राम मिलन रावत,श्रवण कुमार, बलराम मौर्या आदि ने सहयोग किया।

पुलिस कमिश्नर लखनऊ डी0के0 ठाकुर महोदय द्वारा सर्किल काकोरी का किया गया अर्दली रुम

अवध की आवाज

लखनऊ ।पुलिस आयुक्त लखनऊ द्वारा थाना काकोरी पर थाना काकोरी व थाना पारा में पंजीकृत अभियोगो में विवेचकों द्वारा की जा रही लम्बित विवेचनाओं की समीक्षा की गयी। जिसमे पुलिस कमिश्नर द्वारा लम्बित विवेचनाऐं,आंशिक विवेचनाऐं,नर्विवेचनाऐं, राजपत्रित अधिकारियों, थानों व अन्य शाखाओं में लम्बित विवेचनाओं थानों में मालों के निस्तारण थाने पर प्राप्त एन बी ड्ब्लू कुर्की एवं वारण्ट वसूल जुर्माना की तामीला थानो पर प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रो की जांचधनिस्तारण की गई। अर्दली रुम के दौरान, पुलिस उप आयुक्त दक्षिणी तथा सहायक पुलिस आयुक्त काकोरी भी मौजूद रहे जिन्हे पुलिस आयुक्त महोदय द्वारा लम्बित विवेचनाओं के पर्यवेक्षण के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा—निर्देश दिये गए।

सम्पादकीय

मीथेन उत्सर्जन को एलपीजी पर टैक्स बढ़े

सभी जीवित पदार्थों के जीवन में कार्बन तथा हाईड्रोजन तत्व रहते हैं और उनकी मश्त्यु के बाद ये आर्गेनिक पदार्थ सड़ने लगते हैं। यदि आसपास ऑक्सीजन उपलब्ध हुई तो शरीर का कार्बन, कार्बन डाईआक्साइड (सीओ–2) बनकर उत्सर्जित होता है और पदार्थ में हाईड्रोजन, पानी (एच2ओ) बनकर समाप्त हो जाता है। लेकिन यदि सड़ते समय आसपास ऑक्सीजन उपलब्ध नहीं हुई तो यही कार्बन और हाईड्रोजन आपस में मिलकर मीथेन गैस (सीएच4) बनकर उत्सर्जित होती है। कार्बन डाईआक्साइड की तुलना में मीथेन गैस से धरती का तापमान अधिक बढ़ता है। धरती से जो गर्मी की किरणें बाहर निकलती हैं, यदि वे सीधे अंतरिक्ष में पहुंच सकें तो वे धरती के वायुमंडल से निकल जाती हैं और धरती का तापमान नहीं बढ़ता है। इसके विपरीत यदि वायुमंडल में ये किरणें रुक जाएं तो वायुमंडल गर्म हो जाता है और तदानुसार धरती का तापमान भी बढ़ता है। जब ये किरणें वायुमंडल में जाती हैं तो वायु में उपलब्ध अणुओं के बीच ये हलचल पैदा करती हैं। जैसे कार्बन डाईआक्साइड के कार्बन और ऑक्सीजन परमाणुओं के बीच में हलचल पैदा होती है।

इससे उस अणु का तापमान बढ़ जाता है और वह गर्मी हमारे वायुमंडल में रुक जाती है और धरती का तापमान बढ़ाने लगती है। मीथेन के परमाणुओं में हलचल अधिक होती है, इसलिए कार्बन डाईआक्साइड की तुलना में मीथेन गैस से धरती का तापमान 28 से 80 गुणा अधिक बढ़ता है। इसलिए हाल में सम्पन्न हुए कॉप 26 सम्मेलन में लगभग 100 देशों के बीच सहमति बनी है कि वे मीथेन के उत्सर्जन को कम करेंगे। धान के खेतों से मीथेन भारी मात्रा में उत्सर्जित होती है। जब खेतों में लबालब पानी लंबे समय तक भरा रहता है तो भूमि की सतह पर पत्तियां और भूमि के अंदर के कीड़े सड़ने लगते हैं और सड़कर पहले पानी में उपलब्ध ऑक्सीजन को सोख लेते हैं। उसके बाद उनकी सड़न से मीथेन बनने लगती है। पशुओं के पाचन क्रिया में भी उनके पेट से मीथेन गैस उत्सर्जित होती है। मांसाहारी भोजन के उत्पादन में मीथेन गैस जादा उत्पन्न होती है क्योंकि उसमें पशुओं को मारकर ही मांस पैदा किया जाता है। पशुओं के मल–मूत्र और गोबर के सड़ने से भी मीथेन गैस बनती है। बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं के तालाबों में जो पीछे से पत्तियां और मश्त पशुओं के शरीर बह कर आते हैं, वे भी तालाब की तलहटी में स्थिर होकर सड़ने लगते हैं। तलहटी में उपस्थित ऑक्सीजन शीघ्र समाप्त हो जाती है और ये मीथेन उत्सर्जन करने लगते हैं। नेशनल इन्वायरनमेंट इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टिट्यूट नागपुर ने पाया है कि टिहरी बांध से मीथेन उत्सर्जित हो रही है। मीथेन के इस उत्सर्जन को रोकते हुए आर्थिक विकास को बढ़ाना संभव है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम ने कहा है कि मीथेन गैस के उत्सर्जन को कम करते हुए आर्थिक विकास को बढ़ाना संभव है। जैसे धान के खेत में यदि पानी लगातार न भरा जाए और कुछ दिन पानी भरने के बाद उसे 2–4 दिन के लिए निकाल दिया जाए और पुनः पानी भरा जाए तो नए पानी में ऑक्सीजन उपलब्ध हो जाती है और मीथेन का उत्सर्जन समाप्त हो जाता है।

धान की उपज भी कम नहीं होती है, अतः रुक–रुक कर पानी भरने से पानी की बचत और मीथेन उत्सर्जन की कमी दोनों हो सकती है। पशुओं के संबंध में पाया गया कि गाय की तुलना में बैल अधिक मीथेन उत्सर्जित करते हैं। अध्ययन किया जाए तो हम निश्चित रूप से पाएंगे कि गाय और भैंस की कुछ प्रजातियां मीथेन ज्यादा उत्सर्जित करती हैं और कुछ कम। इसलिए यदि हम कम मीथेन और अधिक दूध देने वाली प्रजातियों की गाय और भैंस को बढ़ाएं तो मीथेन उत्सर्जन कम कर सकते हैं। यदि हम शाकाहारी भोजन अपनाएं तो मीथेन उत्सर्जन सहज ही कम हो जाएगा क्योंकि पशुओं के मांस के उत्पादन के समय पशुओं द्वारा पाचन से अथवा उनके गोबर के सड़ने से जो मीथेन उत्सर्जित होती है, वह समाप्त हो जाएगी। यदि हम गोबर से गैस बनाएं तो उत्सर्जित मीथेन से चूल्हा और बत्ती जला सकते हैं। तब वह मीथेन कार्बन डाईआक्साइड के रूप में उत्सर्जित होगी और हमारे पर्यावरण को कम हानि पहुंचाएगी। जल विद्युत के स्थान पर यदि हम सोलर ऊर्जा को बढ़ावा दें जैसा कि सरकार कर भी रही है तो जल विद्युत परियोजनाओं के तालाबों से उत्सर्जित होने वाली मीथेन पर रोक लगाई जा सकती है। इन आर्थिक दृष्टि से लाभप्रद सुझावों को लागू करने के लिए सरकार को अपनी टैक्स पालिसी में सुधार करना होगा। धान के खेतों से उत्सर्जन कम करने के लिए पानी का मूल्य सिंचित क्षेत्र के स्थान पर आयतन के हिसाब से वसूल करना होगा। तब किसान के लिए लाभप्रद हो जाएगा कि पानी को रोक–रोक कर सिंचाई करे। पशुओं की प्रजातियों पर रिसर्च के लिए सरकार को निवेश करना होगा। शाकाहारी भोजन को प्रोत्साहन देने के लिए मांस के उत्पादन में उपयोग किए गए कच्चे माल पर भारी टैक्स लगाएं तो मांस महंगा होगा, तो लोग शाकाहारी भोजन की ओर बढ़ेंगे। एलपीजी का दाम बढ़ाएं तो किसान के लिए गोबर गैस को बनाना लाभप्रद हो जाएगा। पूर्व में एलपीजी के उपलब्ध न होने से किसान गोबर गैस बनाते थे।

लेकिन सस्ती एलपीजी उपलब्ध होने से अब गोबर गैस का उत्पादन शून्यप्राय हो गया है। जल विद्युत पर भी इसी प्रकार मीथेन टैक्स लगाना चाहिए। इन सब टैक्स सुधारों से निश्चित रूप से देश के आम आदमी पर भार पड़ेगा, लेकिन यदि वसूल किए गए टैक्स को सरकारी खपत के लिए उपयोग करने के स्थान पर जनता को नगद वितरण कर दिया जाए तो यह भारी नहीं पड़ेगा। जैसे मान लीजिए देश में 40 करोड़ लोग हैं जो चावल खाते हैं। यदि हम आयतन के हिसाब से पानी बेचें तो इन पर मान लीजिए 25 रुपया प्रति वर्ष का भार पड़ता है और सरकार को एक हजार करोड़ रुपए का राजस्व मिलता है। यदि इस एक हजार करोड़ रुपए को देश के 130 करोड़ नागरिकों में 7 रुपए प्रति व्यक्ति के हिसाब से वितरित कर दिया जाए तो समग्र जनता पर तनिक भी भार नहीं पड़ेगा। अंतर सिर्फ यह होगा कि जो जनता चावल खाती है, उसे हानि होगी। उसे 25 रुपए का टैक्स देना होगा, जबकि मिलेंगे 7 रुपए। जो जनता चावल नहीं खाती है उसे लाभ होगा, उसे अतिरिक्त टैक्स नहीं देना होगा और मुफ्त में 7 रुपए मिलेंगे। इस प्रकार हम बिना आर्थिक विकास की हानि के मीथेन उत्सर्जन कम कर सकते हैं। सरकार ने कॉप 26 में मीथेन समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किया है, फिर भी उपरोक्त नीतियों को तो लागू करना ही चाहिए।

कोरोना ने यूरोप में नये रूप में पाँव पसार लिया, हमें बेहद सतर्क रहना होगा

–ललित गर्ग–

पूरी दुनिया कोरोना महामारी से पिछले काफी लंबे समय से जूझती रही है। समूची दुनिया ने चुस्ती और सावधानी बरतते हुए इस महामारी से मुक्ति दिलाने में सफलता भी हासिल की है, लेकिन अभी कोरोना महामारी का खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। रह–रह कर यह महामारी विश्व के कई देशों में उभर रही है। कोरोना महामारी से निजात को लेकर अभी भी बहुत ज्यादा उम्मीदें नहीं हैं। वैश्विक स्तर पर सबसे चिंताजनक स्थिति यूरोपीय देशों की है। यूरोप में कोरोना संक्रमण के बढ़ते प्रसार पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) भी चिंता जता चुका है। ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि टीकों की पर्याप्त आपूर्ति के बावजूद यूरोप महामारी का केंद्र बना हुआ है। भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सतर्कता एवं सावधानी से हम इस बड़े खतरे को नियंत्रित करने एवं सौ करोड़ से अधिक टीकाकरण का लक्ष्य हासिल करके निश्चिंत बने हैं, लेकिन इसके संभावित खतरे से पूरी तरह निश्चिंत हो जाना, हमारी भूल होगी। हमें अभी भी पूरी सावधानी एवं सतर्कता बरतने की अपेक्षा है। यूरोप में नये रूप में कोरोना महामारी के पांव पसारने से पूरी दुनिया चिन्तित है, ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि टीकों की पर्याप्त आपूर्ति के बावजूद यूरोप महामारी का केंद्र बना हुआ है। बहुत सारे टीकों का उपलब्ध होना ही नहीं, बल्कि वहां टीकों का उपयोग समान होना भी जरूरी है। इसलिए कोरोना मामलों की संख्या फिर से करीब–करीब रेकार्ड स्तर तक बढ़ने लगी है। करीब तिरपन देशों में कोरोना संक्रमण की वजह से अस्पताल में भर्ती होने की दर अगर एक हफ्ते की तुलना में दोगुनी से अधिक हुई है तो आशंका यही है कि यह महामारी की नई लहर का संकेत है। यदि ऐसा ही चला तो इस क्षेत्र में अगले साल फरवरी 2022 तक पांच लाख लोगों को इस महामारी के कारण जान गंवानी पड़ सकती है।

भारत के कई राज्यों में कोरोना वायरस के बढ़ते प्रसार को देखते हुए कोविड प्रोटोकॉल को अभी जारी रखने का फैसला लिया गया है। केंद्र सरकार ने कोरोना रोकथाम उपायों को 30 नवंबर तक बढ़ा दिया है। गशह सचिव के अनुसार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नियमित रूप से हर जिले के अस्पताल और आईसीयू में भर्ती मरीजों की संख्या की बारीकी से निगरानी करने की सलाह दी जा रही है। टीकाकरण का अभियान जारी रखते हुए अन्य हिदायतों का भी जिम्मेदारी से पालन करने की जरूरत है। जैसा कि हम जानते हैं कि लोग शीघ्र ही अच्छा देखने एवं स्वच्छंद जीवन जीने के लिये बेताब रहे हैं। भले ही उनके सब्र का प्याला भर चुका था, लेकिन कोरोना महामारी जैसे महासंकट को परास्त करने के लिये सब्र ही चाहिए। यह सत्य है कि आज की आबादी भगवान श्रीराम की तरह 14 वर्षों का वनवास एवं भगवान महावीर की तरह 12 वर्षों की कठोर तपस्या का इंतजार नहीं कर सकती। लेकिन जीवन रक्षा के लिये ऐसा करना पड़ता है। कोरोना महामारी जैसे महासंकट से निताज दिलाने के लिये कोई फरिश्ता नहीं, बल्कि जन–जन को ही फरिश्ता बनने की अपेक्षा थी और है। भले ही नरेन्द्र मोदी जैसे सशक्त शासकों ने अपनी प्रभावी भूमिका अदा कर लोगों के स्वास्थ्य एवं जीवन की रक्षा की है। 130 करोड़ से अधिक आबादी वाले राष्ट्र में हर व्यक्ति को तत्परता से निःशुल्क टीके उपलब्ध कराना साहस एवं सूझबूझ का काम है। देश, काल एवं स्थिति के अनुरूप उन्होंने विरल शासक का किरदार निभाते हुए एक अनूठा एवं विलक्षण इतिहास रचा है। लेकिन इससे जनता की जिम्मेदारी कम नहीं हो जाती, अभी भी खतरा बना हुआ है, इसलिये सावधानी, संयम एवं स्व–अनुशासन जरूरी है। यूरोपीय देशों में कोरोना की नयी उभरती स्थिति हमें अधिक सावधानी बरतने को प्रेरित कर रही है।

समश्द्ध एवं शक्तिशाली यूरोप में टीकाकरण की रफ्तार अलग–अलग एवं असंतुलित रही है। अभी तक औसतन सैंतालीस फीसद लोगों का टीकाकरण पूरा हो पाया है। महज आठ देश ऐसे हैं, जहां पर सत्तर फीसद आबादी टीके की सभी खुराक ले चुकी है। इस दौरान वे दृश्य लोगों ने टेलीविजन पर खूब देखे हैं जिनमें कई यूरोपीय देशों में कोरोना पाबंदियों को सरकारों ने या तो न्यूनतम कर दिया, या फिर ऐसी सख्ती के खिलाफ वहां जनता विरोध में सड़कों पर उतरी। इस स्थिति को वैज्ञानिकों और चिकित्सकों के कई समूहों के अलावा डब्लूएचओ भी गंभीर मानता रहा है। डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी है कि टीकों की उपलब्धता के बावजूद यूरोप में संक्रमण के मामले अगर बढ़ रहे हैं तो यह केवल यूरोप के लिये ही नहीं बल्कि दुनिया के लिए खतरे की एक और घंटी से कम नहीं है।

इसे भी पढ़ें: कोरोना वायरस संबंधी नए नियमों के खिलाफ नीदरलैंड में जोरदार प्रदर्शन और हिंसा

साफ है कि कोरोना संक्रमण के खिलाफ तनिक भी लापरवाही या गैरजिम्मेदाराना व्यवहार होगा तो इस महामारी के खतरे से आसानी से मुक्ति संभव नहीं है। भारत उन देशों में शामिल है जो पहले दिन से यह कहता रहा है कि इस महामारी के खिलाफ न सिर्फ वैश्विक पहल की स्पष्ट रूपरेखा तय होनी चाहिए बल्कि इस पर साझा अमल भी होना चाहिए। भारत ने इसमें सार्थक पहल की एवं सकारात्मक भूमिका भी निभाई है। असल में कोरोना एक संक्रमण वाला महारोग है, इसलिये एक देश में उसके फैलने का असर पूरी दुनिया में फैल जाने के खतरे की घंटी है। इसलिये मौजूदा हालात में यूरोप में अब ऐसी स्थिति बन रही है कि वहां टीकाकरण की अनिवार्यता पर बड़े फैसले लिए जाने की अपेक्षा है। इसकी शुरुआत आस्ट्रिया ने कर भी दी है। अलबत्ता यूरोपीय संघ में टीकाकरण अनिवार्य करने वाला आस्ट्रिया इकलौता देश जरूर है, लेकिन बाकी देशों की सरकारें भी सख्त पाबंदियां लगा रही हैं।

यूरोपीय देशों का नया उभर रहा संकट भारत के लिये एक चेतावनी एवं बड़ा सबक है। क्योंकि भारत एक बड़ी आबादी वाला देश है, यहां पर स्वास्थ्य सुविधाओं का आनुपातिक अभाव है, शिक्षा का अभाव है। टीकाकरण और जरूरी सावधानी के जरिए ही इस महामारी को कारगर तरीके से रोका जा सकता है। टीका लगवाने के साथ मास्क पहनने और आने–जाने के लिए कोविड पास का इस्तेमाल करने से स्थिति से निपटने में मदद मिल सकती है। जब तक पूरी तरह कोरोना पर नियंत्रण न हो जाये, भीड़–भाड़ से बचने की जरूरत है, जहां तक हो सके घरों पर ही रहकर काम किये जाये, शादी–विवाह, धार्मिक आयोजनों, राजनीतिक जलसों में भीड़ को नियंत्रित रखा जाये। स्कूलों, सिनेमाघरों, स्विमिंग पूल आदि पर पूरी तरह अनुशासन एवं प्रोटोकॉल कायम रहे। जहां अपेक्षित हो आंशिक लॉकडाउन लगाया जाये। सामाजिक दूरी का पालन किया जाये। यह समझ एवं सोच यूरोप सहित दुनिया के लिए तो जरूरी है ही, विश्व समाज को भी समझ की इस दरकार पर पक्के तौर पर खरा उतरना होगा।

जीवन–रक्षा के लिये लगाये जा रहे प्रतिबंधों को लेकर विरोध की मानसिकता घातक है। ऑस्ट्रिया, क्रोएशिया और इटली में भी नये प्रतिबंधों के खिलाफ हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर निकल आए। ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना में सरकार की ओर से नये राष्ट्रीय लॉकडाउन की घोषणा और फरवरी 2022 तक टीका लगाना अनिवार्य किये जाने के बाद हजारों लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। क्रोएशिया की राजधानी जाग्रेब में सार्वजनिक क्षेत्र के श्रमिकों के लिए वैक्सीन अनिवार्य करने के खिलाफ हजारों लोगों ने मार्च किया। इटली में भी ग्रीन पास प्रमाण पत्र अनिवार्य किये जाने के विरोध में हजारों लोग प्रदर्शन में शामिल हुए। दुनिया में कोई भी कोरोना से मरने को विवश न हो, इसके लिये संतुलित एवं स्व–शासित व्यवहार एवं जीवनशैली ही सबको जीवन–रोशनी दे सकती है।

किन्नर कल्याण की दिशा में जो कदम योगी ने उठाया, उससे सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए

–अशोक मधुप–

उत्तर प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर प्रदेश में किन्नर कल्याण बोर्ड गठित कर उसके लिए किन्नर सदस्य नामित किए हैं। सरकार चाहे तो किन्नर समाज को प्रदेश के अंचलों और आदिवासी लोक नश्त्य सिखा कर प्रदेश की लुप्त होती कला को जीवित कर सकती है। प्रदेश के कई किन्नर इन कलाओं का सीखकर पद्म पुरस्कार पाने वाले मजम्मा जोगाठी की तरह सम्मान प्राप्त कर सकते हैं। उत्तर प्रदेश में किन्नर कल्याण बोर्ड के गठन का उद्देश्य समाज के विकास की मुख्यधारा से वंचित किन्नरों को आगे लाने की जद्दोजहद है। सरकार ने सोनम चिश्ती को इस बोर्ड का उपाध्यक्ष बनाया है। उन्हें राज्यमंत्री का दर्जा दिया है। गठित किन्नर कल्याण बोर्ड में इनके अलावा चार किन्नर सदस्य पद के लिए प्रयागराज की कौशल्या नन्द गिरी उर्फ टीना मां, गोरखपुर की किरन बाबा, जौनपुर की मधु उर्फ काजल व कासगंज की मोहम्मद आरिफ पूजा किन्नर शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश में कहा गया है कि बोर्ड किन्नरों की आवश्यकताओं, मुद्दों व समस्याओं पर काम करते हुए नीति व संस्थागत सुधारों के लिए सरकार को सुझाव देगा। बोर्ड के अध्यक्ष समाज कल्याण मंत्री होंगे। जबकि मुख्यमंत्री द्वारा नामित किन्नर उपाध्यक्ष होगा। समाज कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव या प्रमुख सचिव संयोजक होंगे। किन्नर संबंधी विभाग के अधिकारियों के अनावा पांच किन्नर व एनजीओ के प्रतिनिधियों को मंत्री नामित करेंगे। गैर–आधिकारिक सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्षों होगा। बोर्ड का सदस्य सचिव, निदेशक समाज कल्याण होगा। बोर्ड को तीन महीने में बैठक करना जरूरी होगा। विभागीय प्रमुख सचिव के. रविन्द्र नायक ने बताया कि सभी के नामित होते ही बोर्ड की बैठक होगी। बोर्ड का काम किन्नर नीति को विभागों में लागू करने के साथ ही किन्नरों का शैक्षिक, सामाजिक व आर्थिक विकास करने, समानता व समता के लिए दिशा–निर्देश जारी कर उनका क्रियान्वयन कराने तथा जिला स्तरीय समिति या किन्नर सहायता इकाई के प्रकरणों पर निर्णय करना होगा।

जिलों में डीएम की अध्यक्षता में भी 13 सदस्यीय समिति होगी। इसकी प्रतिमाह बैठक होगी। इसमें अधिकारियों के अलावा डीएम द्वारा नामित मनोवैज्ञानिक व किन्नर समुदाय के दो प्रतिनिधि सदस्य और जिला समाज कल्याण अधिकारी सदस्य सचिव होंगे। यह भी कहा गया है कि किन्नरों को पहचान पत्र मिलेंगे। किन्नरों को मनोवैज्ञानिक परामर्श के लिए केंद्र भी बनेंगे। किन्नर समाज अब तक बिल्कुल उपेक्षित हैं। समाज उन्हें स्वीकार करने को तैयार नहीं है। लोग बाग इनसे बात करने से बचते हैं। किन्नरों का भी रवैया ठीक नहीं। वह त्योहारों के नाम पर व्यापारियों से, दुकानदारों से कई बार जबरदस्ती वसूली करते हैं। बस और ट्रेन में हंगामा करते हैं। परिवार में बच्चा होने और शादी के बाद दुल्हन के परिवार में तो उनकी उद्दंडता देखते बनती है। मनमानी राशि मांगते हैं। न देने पर हुड़दंग करते हैं। परिवार अपनी बेइज्जती से बचने के लिए, अपनी इज्जत बचाने के लिए इनकी नग्नता और गुंडई को देख कर चुप हो जाते हैं। हालात न होने पर भी इन्हें मनमानी रकम देते हैं। कई बार तो वे परिवार उधार भी उठाते हैं। देहात में तो इनके श्राप देने का भी आतंक है। कुछ लोग कहते हैं कि ये नए विवाहित जोड़े और शिशु को आशीर्वाद देते हैं। मांगी रकम न दिए जाने पर श्राप भी देते हैं। इनका श्राप दिया जाना ठीक नहीं।

सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर गठित इस बोर्ड के गठन से किन्नरों की समस्याओं पर विचार हो सकेगा। उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा में लाने, समाज के विकास कार्यों में लगाने का कार्य किया जाएगा। उनकी समस्याओं पर विचार होगा। उन्हें बताया जाना चाहिए कि उनका रवैया समाज में उन्हें घश्णा का पात्र बनाता है यदि वे थोड़ी सरलताष्उदारता का प्रयोग करें समाज में उनकी छवि निखर सकती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इनकी संख्या डेढ़ लाख बताई गई है जबकि वास्तव में काफी ज्यादा है। क्योंकि ये अपना परिचय बताना नहीं चाहते।

सरकार की योजना किन्नरों को परिचय कार्ड जारी करने की है। इससे किन्नरों को बहुत लाभ मिलेगा। नकली किन्नरों की गतिविधियों को रोका जा सकेगा। कुछ व्यक्ति नकली किन्नर बनकर वसूली करते हैं। इससे नकली और असली किन्नरों में झगड़े होते हैं। मारपीट होती है। कई बार कत्ल हो जाते हैं। परिचय पत्र मिलने के बाद नकली किन्नरों की वसूली बन्द हो सकेगी। अगर इनकी समस्या को समझा जाता, इन्हें समाज की मुख्यधारा में लाने का काम होता तो इनके व्यवहार में बड़ा परिवर्तन होता। इनके साथ समाज को भी इनके बारे में जागरूक किया जाता तो देश के हालत बिल्कुल अलग होते। ये भी समाज का जिम्मेदार हिस्सा होते। वैसे आज कई किन्नर समाजहित के लिए काम कर रहे हैं। बिजनौर के एक किन्नर ने अपने पास से पैसा लगाकर एक गरीब परिवार की लड़की की शादी की है। अब समाज कल्याण के कार्य सरकार कराने लगी। पहले सेठ, सम्पन्न और जमींदार ये कार्य करते थे। आजादी के पूर्व में बने कई कुएं ऐसे हैं जो किन्नरों ने बनवाए। पुराने लोग बताते भी हैं। ये कुएं हिजड़े का कुआं के नाम से प्रसिद्ध भी हैं। ये चुनाव का समय है। सब दल कहेंगे कि भाजपा ने इसे चुनावी लाभ के लिए गठन किया है। लगता भी ऐसा ही है। भाजपा को इसका लाभ भी मिलना निश्चित है। सरकार किन्नर कल्याण बोर्ड के माध्यम से किन्नरों को प्रदेश की क्षेत्रीय नश्त्य और नाट्य कला, प्रदेश में बसने वाली जनजातियों के नश्त्य सिखाकर इन कलाओं से जोड़ने का बड़ा काम कर सकती है। इन्हीं कलाओं में भनेड़ा (बिजनौर) के नक्काल, अरब से भारत आई और बिजनौर के चांदपुर, अमरोहा और रामपुर जनपद में गाई जाने वाली चाहरबैत को इनसे गवाकर जिंदा और रोचक बनाया जा सकता है। चाहरबैत पुरुषों द्वारा ढप (एक तरह का साज) पर गाई जाने वाली कला है। यदि इसे महिलाओं के परिधान में किन्नर गायें तो ये कला ज्यादा रुचिकर और लोकप्रिय होगी। ऐसे ही ‘अगरही’ (पूर्वांचल के आदिवासियों का एक प्रमुख नश्त्य) पूर्वांचल के देवरिया, गोरखपुर और बलिया जिलों में ‘गोड़उ’ नश्त्य, अहीर (वीरों की संस्कृति) की कला, नश्त्य सिखाकर इनसे मंचित कराए जा सकते हैं। कुछ समय पूर्व सारंगी वादक जगहष्जगह दिखाई देते थे, यदि कुछ जीवित सारंगी वादकों से इन्हें शिक्षा दिलाई जाए तो समाप्त होती क्षेत्रीय, आदिवासी और परम्परागत कला को जीवित किया जा सकता है। किन्नर मजम्मा ने तो अपने आप लोक कला सीखकर पद्म पुरस्कार पाया। अगर सरकारी स्तर से प्रदेश के किन्नरों के साथ ईमानदारी से मेहनत की गई तो उत्तर प्रदेश देश को किन्नर मजम्मा जैसे कई प्रसिद्ध कलाकार दे सकेगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

यह सही समय है जब एमएसपी व्यवस्था को युक्तिसंगत बना सकती है सरकार

–डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा–

हालांकि केन्द्र सरकार ने कृषि कानूनों को वापिस ले लिया है पर किसान अभी भी एमएसपी को लेकर डटे हुए हैं। आजादी के 75 साल बाद भी एमएसपी पर खरीद कुछ फसलों तक ही सीमित है। वहीं एमएसपी व्यवस्था को युक्ति संगत बनाना आज भी आवश्यक है। इसमें कोई दो राय नहीं कि किसानों को मुख्यधारा में लाने के लिए एमएसपी व्यवस्था कारगर सिद्ध हो सकती है। समर्थन मूल्य पर खरीद व्यवस्था को कुछ फसलों तक ही खरीद के दायरे से बाहर निकालना होगा। अन्नदाता को आर्थिक विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लाख दावे किए जाते रहे हों पर वह दिन अभी दूर की कौड़ी ही है जब देश का अन्नदाता अपनी मेहनत से तैयार उपज का भाव स्वयं तय कर सके।

कई दशकों से चली आ रही एमएसपी व्यवस्था के बावजूद अभी एमएसपी के नाम पर ले देकर किसान गेहूं, चावल, कपास, गन्ना, सरसों, सोयाबीन, मूंगफली ही बेचते हैं और अब पिछले कुछ सालों की बात करें तो मूंग–उड़द की बात भी की जा सकती है। दुनिया आज मोटे अनाज को लेकर गंभीर हुई है और मोटे अनाज को बढ़ावा देने की बात की जा रही है वहीं बाजरा आदि मोटे अनाज की खरीद एमएसपी पर कोसों दूर है। नेशनल सेंपल सर्वे की हालिया रिपोर्ट के अनुसार 2019 के दौरान देश में सिर्फ पांच फसलों की खरीद ही दस प्रतिशत से ज्यादा रही है। हालांकि गेहूं, चावल, गन्ना और कपास की खरीद अधिक मात्रा में होती रही है। पिछले कुछ सालों में एमएसपी दरों में अच्छी खासी बढ़ोत्तरी हुई है तो दूसरी ओर कृषि लागत में भी काफी बढ़ोत्तरी हुई है। इसलिए एमएसपी बढ़ने के बावजूद अधिक लाभ वाली बात नहीं है। यही कारण है कि नए कृषि कानूनों के चलते सबसे मुखर आवाज उभर कर आई है तो वह न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की व्यवस्था को लेकर हुई है। सरकार का दावा है कि नए कानूनों के बावजूद एमएसपी पर खरीद व्यवस्था जारी है और जारी रहेगी, वहीं किसानों की पैरवी करने वाले सभी संगठन एमएसपी को लेकर अधिक मुखर हैं। एमएसपी को लेकर देश में भ्रम की स्थिति बनी हुई है।

हालांकि एमएसपी को लेकर लाख संदेहों के बावजूद देश में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद जारी है। यह सही है कि पिछले कुछ सालों से फसल की बुवाई के समय या उसके आसपास ही फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्यों की घोषणा की जाने लगी है। इससे पहले देरी से एमएसपी की घोषणा को लेकर विवाद होता रहता था और यह कहा जाता था कि समय पर एमएसपी की घोषणा नहीं होने से किसान अच्छे मूल्य वाली फसलों की बुवाई से वंचित रह जाता था। हालांकि अब हालातों में सुधार आया है। पर सवाल अभी भी वहीं का वहीं है। अन्नदाता में अभी भी एमएसपी को लेकर वह जागरूकता नहीं है जो उसमें होनी चाहिए। इसका एक बड़ा कारण देश में खेती के लिए चली आ रही संस्थागत ऋण व्यवस्था है। देश की संस्थागत वित्तदायी संस्थाएं आजादी के सात दशक बाद भी सभी किसानों की खेती के लिए आवश्यक वित्त व्यवस्था करने में विफल रही हैं और यही कारण है कि आज भी बड़ी संख्या में काश्तकारों की रुपयों, पैसों की जरूरत पूरी करने के लिए गैर संस्थागत ऋण दाताओं खासतौर से साहूकारों पर निर्भरता बनी हुई है। लाख दावे किए जाते हों पर सहकारी ऋण व्यवस्था में झोल आज भी बना हुआ है। वैसे सहकारी बैंक संसाधनों की कमी के चलते सभी किसानों की ऋण जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। इस कारण से किसानों की निर्भरता अन्य स्रोतों पर बनी हुई है। यही कारण है कि किसानों से ही खरीद का दावा करने के बावजूद किसानों की मेहनत का बहुत बड़ा हिस्सा इन साहूकारों या गैर संस्थागत ऋणदाताओं की झोली में चला जाता है और किसान अपने आपको ठगा महसूस करता है।

सरकार द्वारा खरीफ और रबी के लिए फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर घोषणा की जाती है। गेहूं आदि खाद्यान्नों की खरीद की जिम्मेदारी जहां भारतीय खाद्य निगम के पास है तो दलहनी और तिलहनी फसलों की खरीद की जिम्मेदारी नेफैड ने संभाल रखी है। कपास की खरीद कॉटन कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा तो गन्ने की खरीद गन्ना मिलों द्वारा की जा रही है। कुछ प्रदेशों में राज्य की संस्थाओं द्वारा भी वाणिज्यिक दरों के साथ ही बाजार हस्तक्षेप योजना के तहत खरीद की जाती है पर यह नाममात्र की ही हो पाती है। भारतीय खाद्य निगम और नेफैड हालांकि बदली परिस्थितियों में यह दोनों ही संस्थाएं खरी नहीं उतरी हैं और यही कारण है कि नेफैड जहां लड़खड़ाती हुई जैसे तैसे चल रही है वहीं भारतीय खाद्य निगम के पुनर्गठन पर भी विचार की चर्चा यदा कदा चलती रही है। ले देकर के देश में गेहूं और चावल की ही एमएसपी पर अधिक व समय पर खरीद होती है। इसकी खरीद के पीछे भी एक दूसरा बड़ा कारण सरकार की सार्वजनिक वितरण प्रणाली की बाध्यता भी है।

इसे भी पढ़ें: कृषि कानूनों पर सरकार का शीर्षासन देश और भाजपा के लिए शुभ साबित होगा

सरकार को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत गेहूं और चावल आदि उपलब्ध कराने होते हैं। इसके लिए सरकार के पास बड़ा सहारा एमएसपी पर खरीद व्यवस्था ही है। हालांकि कोरोना महामारी के दौर में खाद्यान्नों की उपलब्धता व्यवस्था पूरी तरह से खरी उतरी है। सरकारी गोदामों में गेहूं व चावल के भण्डारों के चलते केन्द्र व राज्य सरकारों ने जरूरतमंद लोगों को मुफ्त राशन सामग्री उपलब्ध कराने में कोई कोताही नहीं बरती और परिणाम सामने है। देश में कोरोना लॉकडाउन व उसके अलावा भी राशन सामग्री उपलब्ध कराने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। पूरी निष्पक्षता के साथ कहा जा सकता है कि इसका श्रेय अन्नदाता की मेहनत और सरकार की एमएसपी व्यवस्था को ही जाता है।

आज भी देश की एमएसपी खरीद व्यवस्था ले देकर गेहूं, धान, कपास, गन्ना, सरसों आदि तक सीमित हो कर रह गई है। जबकि 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष मनाने की तैयारियां जोरों से चल रही हैं। मोटे अनाज का महत्व समझा जाने लगा है। ऐसे में मोटे अनाज का लाभकारी मूल्य मिले यह सुनिश्चित करना भी सरकारों की जिम्मेदारी हो जाती है ताकि किसान स्वयं आगे आकर मोटे अनाज की पैदावार लेने के प्रति प्रेरित हों। सरकारों को इस ओर सोचना ही होगा। आज राजस्थान सहित उत्तरी भारत के राज्यों में बाजरे की समर्थन मूल्य पर खरीद की मांग की जा रही है। होना तो यह चाहिए कि जिस भी फसल का समर्थन मूल्य घोषित हो उसके भाव बाजार में कम होते ही खरीद आरंभ हो जाए तो समस्या का समाधान बहुत आसानी से हो सकता है।

शिविर में नेत्र रोगियों की हुईं जाँच, नि:शुल्क मिले चश्मे व दवाईयां

मोतियाबिंद के ऑपरेशन हेतु 230 नेत्र रोगी भेजे गये कानपुर

अवध की आवाज ब्यूरो

उरई ,जालौन। नगर में स्थित विमल आई केयर सेंटर के तत्वावधान में रविवार को नेत्र शिविर आयोजित किया गया विमल आई केयर सेंटर के संचालक वरिष्ठ नेत्र परीक्षक डॉ कुलदीप सिंह ने नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र से शिविर

में आये 90 नेत्र रोगियों की मशीनों के माध्यम से नेत्रों की जाँच कर उन्हें आवश्यकतानुसार निःशुल्क रूप से चश्मे जबकि 309 अन्य रोगियों को निःशुल्क दवाईयां दीं शिविर में परीक्षण के दौरान 230 नेत्र रोगियों में मोतियाबिंद पाया गया।डॉ कुलदीप ने बताया कि ऐसे सभी रोगियों के मोतियाबिंद का निःशुल्क ऑपरेशन रविवार को ही कानपुर स्थित आई सेंटर में किया जा रहा है जिसके लिए संबंधित रोगियों को निःशुल्क रूप से वाहनों द्वारा रवाना किया गया है।वहीं शिविर में कोरोना जागरूकता को लेकर सभी नेत्र रोगियों को मास्क व सेनेटाइजर भी बांटे गये।शिविर की व्यवस्थाओं में अमन गौतम, मोहित अग्रवाल, विष्णुकांत, अभिषेक गौतम आदि संलग्न रहे वहीं अगला शिविर आगामी 28 नवंबर को आयोजित किया जायेगा।

चौकीदार के भाई के घर में चोरों ने बोला धावा, नगदी व जेवरात उड़ाये

अवध की आवाज ब्यूरो

उरई, जालौन। कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बिरगुवां बुजुर्ग में सूने पड़े घर में अज्ञात चोरों ने धावा बोलकर नगदी समेत सोने चाँदी के जेवर उड़ाये बिरगुवां बुजुर्ग निवासी महिला व गांव के चौकीदार की बहू रजनी पत्नी मंगल सिंह ने कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि बीती 20 नवंबर को वह अपने पति के साथ अपने मायके में चचेरे भाई की शादी में शामिल होने के लिये घर में ताले लगाकर गयी

हुई थी।रजनी ने प्रार्थना पत्र में बताया कि रविवार को वह मायके से वापस अपने घर आयी तो देखा कि घर में लगे ताले टूटे हुए पड़े थे और घर का सारा सामान जमीन पर अस्त व्यस्त बिखरा हुआ था।खुली हुई अलमारी व बक्शे में रखी सोने की चार चूड़ी,दो सोने की अंगूठी,सोने की झुमकी,चांदी की पायलें व 70 हजार रुपये नगद एवं बाइक के कागजात गायब थे।पीड़िता रजनी ने चोरी की उक्त घटना की रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही करने की मांग पुलिस से की है।वहीं उक्त घटना को लेकर पुलिस मौके पर पहुंचकर आवश्यक जांच पड़ताल में संलग्न है।घटना में दिलचस्प यह है कि जब गांव के चौकीदार के भाई का ही घर सुरक्षित नहीं है तो आम ग्रामीणों के घरों की सुरक्षा कैसे हो सकेगी।

डुग्गी मीनादी करा कर पिता पुत्र के विरुद्ध की गई जिला बदर की कार्रवाई

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोंडा। जिले में शांति व्यवस्था को बनाए रखने के उद्देश्य पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा के द्वारा सख्त कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। अपराधिक प्रवृति के लोगों व असामाजिक तत्वों के खिलाफ अभियान चलाकर उन्हें जिला बदर किया जा रहा है। इटियाथोक कोतवाली पुलिस नें ऐसे ही असामाजिक तत्व विनय सिंह पुत्र स्वर्गीय रणजीत सिंह व नीरज सिंह पुत्र विनय सिंह निवासी तिर्रेमनोरमा थाना इटियाथोक जनपद गोंडा को गुंडा अधिनियम के अंतर्गत जिला बदर घोषित करा कर डुगडुगी पिटवाकर व

मुनादी कराते हुए जनपद की सीमा से बाहर कर दिया है। साथ ही उपरोक्त लोगों को 6 महीने के अंदर जिले की सीमा में प्रवेश न करने की सख्त हिदायत भी दी है निर्देशों का उल्लंघन करने पर गिरफ्तार कर जेल भेजने सहित अन्य विधिक कार्रवाई किए जाने की बात कही। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में समस्त स्थानों द्वारा ऐसे अन्य असामाजिक तत्वों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध गुंडा एक्ट की कार्रवाई करते हुए जिला बदर कराने की प्रक्रिया निरंतर जारी है पुलिस की इस कार्रवाई से जिले के अपराधियों में खौफ का माहौल बना हुआ है। कार्रवाई के दौरान प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार दुबे, उपनिरीक्षक शादाब आलम, हेड कांस्टेबल कुशहर यादव, हेड कांस्टेबल बलवंत यादव सहित भारी संख्या में पुलिस के जवान मौजूद रहे।

खेल जीवन का है अभिन्न अंग अशोक

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोंडा। शिक्षा क्षेत्र इटियाथोक अंतर्गत मंगलवार को आयोजित ब्लॉक स्तरीय क्रीडा प्रतियोगिता का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि प्रधान पारा सराय अशोक वर्मा व खंड शिक्षा अधिकारी इटियाथोक विभा सचान ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद प्रधान पारा सराय अशोक वर्मा ने शिक्षकों को समाज का मसीहा बताते हुए खेल से हर बच्चों को जोड़ने की

अपील की तथा जीवन का अहम हिस्सा बताया खंड शिक्षा अधिकारी इटियाथोक विभा सचान ने उपस्थित सभी जनों का आभार व्यक्त करते हुए खेल के प्रति बच्चों की अभिरुचि की सराहना की इस दौरान 50 मीटर दौड़ बालक/बालिका 100 मीटर दौड़ बालक/बालिका, लंबी कूद ऊंची कूद, कबड्डी, खो –खो सहित कई खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई ब्लॉक व्यायाम शिक्षक विश्वजीत यादव ने बताया की समस्त तैयारियां पूरी कर ली गई हैं तथा जिले स्तर की रैली हेतु बच्चों को तैयार किया जा रहा है इस दौरान पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष अनिल कुमार पांडे, प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष मनोज कुमार मिश्रा, डॉक्टर अखिलेश शुक्ला, रामराज, अमित कुमार, मंत्री राकेश कुमार यादव ,श्रवण कुमार वर्मा ,आशीष कुमार चौरसिया, महेश शुक्ला, करन सिंह,हरि शंकर तिवारी, देवेंद्र पाल दुबे ,जगत नारायण राजभर ,सतीश चंद तिवारी, केके कनौजिया सहित कई शिक्षक शिक्षिकाएं व प्रतिभागी छात्र मौजूद रहे।

पुलिस की गिरफ्त में आये फिंगर प्रिंट क्लोनिंग करने के जालसाज

खुलासे में गिरोह के कई लोगों के नाम उजागर होने के आसार

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोण्डा। जनपद में अंगूठों की क्लोनिंग तैयार कर खाताधारकों के खाते से रकम निकालने वाले गिरोह के कुछ सदस्य पुलिस के हत्थे चढ़े हैं।जिसके बाद पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों का पता लगाने में जुटी है।जल्द ही खुलासे में कई लोगो के नाम उजागर होने के आसार हैं। तरबगंज थानाक्षेत्र अन्तर्गत बीते रविवार को तरबगंज अमदही मार्ग पर स्तिथ एसबीआई के ग्राहक सेवा केंद्र पर क्लोनिंग के जरिये दूसरों के खाते से रुपये निकालते हुए दो लोग गिरफ्तार किए गए हैं। सीएससी संचालक गोपाल सिंह द्वारा थाने पर सूचना दी गयी जिसके बाद पहुंची पुलिस ने मौकेपर संलिप्त दो लोगो को हिरासत में लेकर पूँछतांछ में जुट गई है। सूत्रों के मुताबिक हिरासत में लिए गए दो अभियुक्तों में से एक बदायूं जनपद का निवासी है व एक थानाक्षेत्र के पकड़ी बाजार का निवासी है। सीएससी संचालक गोपाल सिंह ने बताया कि दोनों लोग एक दिन पहले भी रुपये निकालने आये थे।दूसरे दिन फिर निकासी के दौरान कई खातों से रुपये निकालने पर संदेह हुआ जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गयी। वहीं प्रकरण में थानाध्यक्ष संतोष सरोज ने बताया कि अभियुक्तों को हिरासत में लिया गया है व अभियोग दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है। जालसाजी करने वाले गिरोह के कई सदस्यों के नाम उजागर होने के आसार हैं।

सीता हरण लीला देखने उमड़ी भीड़

अवध की आवाज ब्यूरो

उरई, जालौन। नवल किशोर रामलीला समिति के तत्वाधान में बजरिया में जारी रामलीला महोत्सव

में शनिवार रात मारीच बध–सीता हरण लीला का शानदार मंचन किया गया जनस्थान में भ्रमण करती हुई वायु मार्ग से जा रही लंकाधिपति रावण की बहिन सूर्पणखा ने पंचवटी में विराजमान राम को देख कर उन पर मोहित हो जाती है। वह उनके पास जाकर प्रणय निवेदन करती है लेकिन राम अपने को एक पत्नी व्रत धारी बता कर अपना प्रस्ताव लक्ष्मण के समक्ष रखने की बात कहते हैं। सूर्पणखा वही प्रस्ताव लक्ष्मण के समक्ष भी रखती है तो वह भी यह कह कर मना कर देते हैं कि वह तो अपने भ्राता राम के सेवक हैं और उनसे विवाह करने पर उसे दासी बन कर रहना पड़ेगा इस प्रकार अपनी अवहेलना होती देख सूर्पणखा क्रोधित होकर सीता की ओर झपटती है लेकिन लक्ष्मण उसके नाक कान काट कर उसे कुरूप बना देते हैं। उसी वन में रह रहे अपने भाइयों खर और दूषण के समक्ष जाकर वह सारा वृत्तांत बताती है। युद्ध करने आए खर और दूषण का राम बध कर देते हैं। इसके बाद रावण अपने मामा मारीच को स्वर्ण मृग बना कर भेजता है। सीता के कहने पर राम मृग का आखेट करने जाते हैं, पीछे से लक्ष्मण भी चले जाते हैं राम वाण मार कर उस मायावी स्वर्ण मृग को धराशाई कर देते हैं। इधर, रावण ब्राह्मण वेश में आकर सीता का हरण कर लेता है। रावण और जटायु के बीच घोर युद्ध होता है और अंत में जटायु खेत रहता है। रावण की भूमिका लला वाजपेयी, जटायु की हर्षित दुवे, खर की लला पटैरिया, दूषण की राजा पांचाल, सूर्पणखा की रामप्रकाश पाटकर, मारीच की सीताराम नगरिया ने निभाई।

बच्चे की हत्या कर शव गन्ने के खेत में फेंका,सनसनी

सोमवार शाम घर से बाजार जाने के लिये निकला था

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोण्डा। जिले के परसपुर थानाक्षेत्र अंतर्गत पसका चौकी क्षेत्र में गन्ने के खेत में लगभग एक दस वर्षीय बालक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।बालक सोमवार शाम को बाजार जाने के लिये घर से निकला था।जिसकी हत्या कर शव गन्ने के खेत में फेंक दिया गया।सुबह गाँव के लोगों को उसका शव खेत के बीचों बीच मिलने से गांव व आसपास सनसनी फैल गई। बहरहाल सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज के साथ स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया।वहीं पुलिस फील्ड युनिट और डॉग स्क्वायड की टीम की मदद से जांच–पड़ताल कर रही है।हालंकि हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। मिली जानकारी के मुताबिक परसपुर थानाक्षेत्र के पसका चौकी क्षेत्र के उल्टहवा माझा पंडित पुरवा गाँव के रहने वाले राजेन्द्र यादव का आठ वर्षीय पुत्र दीपांशु बीते सोमवार की शाम को घर से बाजार जाने के लिये निकला था।जब देर रात वह वापस घर नहीं लौटा

तो परिजनों द्वारा खोजबीन की गई ।उसका पता नहीं चलने पर इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मंगलवार सुबह सौच गये लोगों को पास के गन्ने के दीपांशु का शव मिलने पर इसकी सूचना परिजनों को दी गई। बहरहाल अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज ने सीओ एवं स्थानीय पुलिस को जरूरी दिशा निर्देश दिये हैं।

चोरी की योजना बनाने वाले चार अभियुक्त गिरफ्तार

दो तमंचा व आठ जिंदा कारतूस बरामद

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। थाना बारासगवर, जनपद उन्नाव पुलिस अधीक्षक के कुशल मार्गदर्शन एवं अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी महोदय बीघापुर के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना बारासगवर पुलिस द्वारा चोरी की योजना बनाते समय चार अभियुक्तगण को 02 अदद अवैध तमंचा 12 बोर मय 08 अदद जिंदा कारतूस बरामद कर गिरफ्तार किया गया।

सीतापुर से भारी संख्या में राकेश टिकैत के लखनऊ कार्यक्रम में पहुंचा जन सैलाव

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर। किसान आंदोलन के अगुवा कार राकेश टिकैत द्वारा पूर्व निर्धारित बाइस नवम्बर का लखनऊ ईको गार्डन पार्क में किसान सम्मेलन सफल रहा!दिन भर किसान भाइयों का आना जाना लगा रहा!पड़ोसी जनपद सीतापुर अंबुज श्रीवास्तव,सहित भारी संख्या में किसान उपस्थित थे!किसान नेता राकेश टिकैत ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी को अपने हकों के लिए आर पार की लड़ाई लड़नी होगी!अभी पूर्व में संपन्न उपचुनाव के परिणाम से सत्ता रूढ़ भाजपा

से संयुक्त किसान मोर्चा में शामिल सभी किसान संगठनों के पदाधिकारी साथियों के साथ भारी संख्या में किसान भाई उपस्थित थे! रैली में सीतापुर से संयुक्त मोर्चा संयोजक पिंदर सिंह सिद्धू, किसान मंच प्रदेश प्रभारी व राष्ट्रीय सचिव शिव प्रकाश सिंह,संगतिन किसान मजदूर संगठन से ऋचा सिंह, किसान मंच महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष अल्पना सिंह, किसान नेता राजेश सिंह तोमर, किसान मंच प्रदेश उपाध्यक्ष धनंजय अवस्थी,मनरेगा मजदूर संगठन से डा०बृजबिहारी, सुनीला रावत, किसान मंच से मंडल मीडिया प्रभारी दिनेश शुक्ला,जिला प्रभारी को जनता जनार्दन द्वारा दिये गए झटके के परिणामों से सत्ता पक्ष को सोंचने के लिए विवश कर दिया!उसी कारण भाजपा सोचने के लिए मजबूर हुई,और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को उ० प्र० के आगामी विधानसभा चुनाव जहां से होकर दिल्ली का रास्ता तय होता है,मजबूरी में अपनी हठधर्मिता को छोड़कर कृषि विरोधी तीनों काले कानून वापसी की घोषणा करनी पड़ी!टिकैत जी ने कहा हम सभी को प्रधानमंत्री के द्वारा पूर्व में किए गए झूठे वादों को ध्यान में रखते हुए,संसद के शीघ्र ही शुरू होने वाले सत्र में वापसी तक आंदोलन जारी रखना होगा।

स्वयं सहायता समूह में काम दिलाने के नाम पर रुपये हड़पने का लगाया आरोप

अवध की आवाज ब्यूरो

उरई, जालौन। स्वयं सहायता समूह में काम दिलाने के नाम पर महिला ने रुपये हड़पने का आरोप लगाते हुए आरोपी युवक के खिलाफ कार्यवाही किये जाने की मांग करते हुए पुलिस को प्रार्थना पत्र सौंपा कोंच कोतवाली क्षेत्र के महंत नगर निवासी महिला गंगा देवी पत्नी कल्लू ने रविवार को पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि बीती 28 जून को ग्राम जमरोही निवासी एक युवक उसके घर पर आया और उससे बोला कि एक पेड बनाने वाली कंपनी है जो स्वयं सहायता समूह से ने पुलिस को बताया कि उक्त युवक के झांसे में आकर उसने 5300 रुपये दे दिए लेकिन 4 माह से अधिक बीत जाने के बाद भी

जुड़ी महिलाओं को अपनी कंपनी में कार्य करने का अवसर प्रदान करती है।कार्य करने के लिए कंपनी में पहले 5300 रुपये जमा करने होंगे जिसके बाद कार्य करने को दिया जायेगा और कार्य करने के एवज में प्रति माह 8 हजार रुपये दिए जायेंगे।गंगा देवी उसे न तो किसी कंपनी में कोई कार्य करने को मिला और न ही उसने रुपये वापस किये।गंगा देवी ने प्रार्थना पत्र में बताया कि कई बार वह रुपये मांग चुकी है लेकिन उक्त युवक उसे टरका देता है गंगा देवी ने पुलिस से रुपये दिलाये जाने की मांग की है।

खंड शिक्षा अधिकारी श्री कोमल यादव का प्राथमिक विद्यालय हाफिजपुर में स्वागत एवं अभिनंदन किया गया

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोंडा। खंड शिक्षा अधिकारी श्री कोमल यादव जी का प्राथमिक विद्यालय हाफिजपुर में हो रही संकुल शिक्षक बैठक के दौरान स्वागत एवं अभिनंदन किया गया,ए आर पी हेमंत कुमार सिंह, मोहम्मद अनीस, राहुल देव वर्मा ने हार पहनाकर स्वागत किया, संकुल शिक्षक रजनीश कुमार श्रीवास्तव जहांआरा मैम, इरशाद अली,रिजवान बेग ने सर को हार पहना कर स्वागत किया। इस दौरान न्याय पंचायत के सभी प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे। आदरणीय खंड शिक्षा अधिकारी महोदय ने प्राथमिक विद्यालय हाफिजपुर के प्रधानाध्यापक शहनाज बानो द्वारा व्यवस्थित विद्यालय एवं t.l.m. की बड़ी प्रशंसा की एवं विद्यालय में लगे TLM का अवलोकन किया। मुन्नी सिंह बिसेन, प्रीति वर्मा, सीमा परवीन, आयशा सिद्दीकी, शाहनाज,सीमा परवीन,नूरी खानम,अफरोज बेगम,शबनूर, अमरनाथ सिंह,पूनम पाठक, अब्दुल माबूद, यास्मीन,मुकेश रानी आदि उपस्थित रहे।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। पुलिस झण्डा दिवस दिनांक 23 नवंबर 2021 को "पुलिस झंडा दिवस" के अवसर पर पुलिस अधीक्षक जनपद उन्नाव दिनेश त्रिपाठी द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन उन्नाव में ध्वजारोहण कर उपस्थित समस्त पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगणों को संबोधित किया गया एवं सभी को पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के संदेश को पढ़कर सुनाया गया व कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए पुलिस ध्वज की गरिमा बनाये रखने हेतु प्रेरित किया गया। इसी क्रम में जनपद के समस्त अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा थाना/चौकी/इकाइयों में ससम्मान "पुलिस झंडा दिवस" मनाया गया।

यातायात माह नवंबर 2021 के अंतर्गत नेत्र परीक्षण शिविर का किया गया आयोजन

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। दिनांक 23.11.2021 को श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव के कुशल निर्देशन में प्रशिक्षु क्षेत्राधिकारी सोनम सिंह जी की उपस्थिति में यातायात प्रभारी अरविंद पाण्डेय व सदर चौकी प्रभारी विनय यादव द्वारा यातायात कार्यालय में नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विभाग के ट्रैफिक पुलिस के सभी पुलिसकर्मियों, होमगार्ड्स व पीआरडी जवानों ने अपना नेत्र परीक्षण कराया। डॉ नितिन चौधरी जी, एग्जामिनर सुखबीर यादव व ऋषभ श्रीवास्तव आदि पैनल में उपस्थित रहे।

द ग्रेट वेडिंग ऑफ मन्स में नजर आएंगे अभिषेक बनर्जी, बरखा सिंह

मुंबई, (वेब वार्ता)। अभिषेक बनर्जी और बरखा सिंह, राज शांडिल्य द्वारा निर्मित और जियो अंडर–प्रोडक्शन ओरिजिनल वेब सीरीज द ग्रेट वेडिंग ऑफ मन्स में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। सुनील सुब्रमणि द्वारा निर्देशित, यह मैं हमेशा ऐसी भूमिकाओं की तलाश में रहता हूं जो मुझे एक अभिनेता के रूप में चुनौती दें। मैं एक अच्छी कॉमेडी स्क्रिप्ट की तलाश में था और यह वास्तव में एक मजेदार कहानी है। जब निर्माताओं ने मन्स की भूमिका

शो एक मध्यमवर्गीय व्यक्ति की कहानी का अनुसरण करता है, जो अपनी पसंद की लड़की से शादी करने के लिए हर हद से गुजर जाता है। ओटीटी स्पेस के बारे में बात करते हुए, शांडिल्य ने कहा कि जियो स्टूडियो के साथ यह मेरा पहला सहयोग है और ओटीटी दुनिया में भी मेरी शुरूआत है। इतने सारे क्राइम और थ्रिलर शो के साथ, मुझे लगा कि एक कॉमेडी शो एक बॉलीवुड फिल्म जितना बड़ा होना चाहिए। जब ओटीटी की बात आती है, तो अभिषेक बनर्जी ने अभिनेता और कास्टिंग डायरेक्टर दोनों के रूप में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि निभाने के लिए मुझसे संपर्क किया और मुझे इसे सुनाया, तो मैं पूरी तरह से इस पर फिदा हो गया। हमने रोहतक में शो की शूटिंग शुरू कर दी है और मैं वास्तव में इसके लिए उत्सुक हूं। बरखा सिंह ने कहा कि मेरा किरदार बहुत दिलचस्प है। मैं पहली बार अभिषेक के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने के लिए भी उत्सुक हूं। यह बहुत मजेदार होने वाला है। शो की मुख्य फोटोग्राफी शुरू हो गई है और इसे मथुरा, आगरा, हैदराबाद और जयपुर में बड़े पैमाने पर शूट किया जाएगा। शो का प्रीमियर विशेष रूप से 2022 में वूट सेलेक्ट पर होगा।

गौतम कार्तिक ने माँ के बर्थ-डे पर शेयर किया इमोशनल पोस्ट

चेन्नई, (वेब वार्ता)। अभिनेता गौतम कार्तिक ने अपनी मां के बर्थडे पर एक पोस्ट शेयर किया है, जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। अभिनेता कार्तिक और अभिनेत्री रागिनी के बेटे गौतम कार्तिक ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर अपनी मां को

जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने अपनी मां को पूरी दुनिया में सबसे कूल इंसान बताया। अभिनेता ने लिखा कि पूरी दुनिया में सबसे अच्छे व्यक्ति को जन्मदिन मुबारक हो। मैं तुमसे प्यार करता हूँ माँ। मेरे जीवन में की प्रेरणा होने के लिए धन्यवाद। आपने जीवन की हर बाधा बखूबी पार किया है। आपने कभी भी अपने सकारात्मक रवैये और प्यार भरे स्वभाव को नहीं खोया, चाहे कितनी भी कठिन परिस्थितियाँ क्यों न हों। अभिनेता ने कहा कि आपने सभी बाधाओं के खिलाफ अपनी पकड़ बनाई है, और आपने निस्संदेह साबित कर दिया है कि आप सबसे मजबूत व्यक्ति हैं जिन्हें मैं जानता हूं। अगर मैं कभी भी जीवन में खुद को अभिभूत पाता हूं और मुझे लगता है कि मैं पर्याप्त मजबूत नहीं हूं, तो मैं बस आपके बारे में सोचता हूं,कि आप कैसे लंबे समय तक खड़ी रही, मुस्कुराती रही और चुपचाप बहादुरी से अपनी समस्याओं का सामना किया। यह कहते हुए कि उनकी माँ हमेशा उनकी हीरो रहेंगी, अभिनेता ने लिखा कि उदाहरण के लिए नेतशत्व करने और मुझे यह दिखाने के लिए धन्यवाद कि वास्तव में ताकत क्या है। मैं वास्तव में पूरी दुनिया में सबसे अद्भुत माँ को पाकर धन्य हूं।

बिग बॉस १५: क्या सिंबा बॉटम सिक्स से बेघर होने वाले पहले प्रतियोगी होंगे?

मुंबई, (वेब वार्ता)। रियलिटी शो बिग बॉस 15 में बॉटम सिक्स कंटेस्टेंट का एलिमिनेशन शुरू हो गया है, चर्चा हो रही है कि अब घर से सबसे पहले सिम्बा नागपाल बाहर जा सकते है। हालांकि उनके एलिमिनेशन की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वीकेंड का वार एपिसोड में शो के सुपरस्टार होस्ट सलमान खान ने ऐलान किया था कि सिर्फ टॉप पांच कंटेस्टेंट ही आगे बढ़ेंगे और बाकी को एलिमिनेट कर दिया जाएगा। कुल 6 प्रतियोगी, सिम्बा नागपाल, राजीव अदतिया, नेहा भसीन, विशाल कोटियन, जय भानुशाली और उमर रियाज बचे हुए हैं। तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा को बाहर कर सिम्बा नागपाल हाल ही में वीआईपी सदस्य बने थे। हालांकि, कुछ अन्य प्रतियोगियों ने बताया था कि वह उमर रियाज को पूल में धकेलने के लिए निशाना बनाया था। हाल के एपिसोड में सिम्बा ने करण कुंद्रा के ऊपर निशांत भट

शो में ज्यादा योगदान नहीं दे रहे थे, और उन्हें अफसाना खान ने घर के नियमों को तोड़ने और को चुना और बाद में खेल में ध ोखा देने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया था।

विदेशों में तेजी के बावजूद घरेलू बाजार में पेट्रोल–डीजल की कीमतें 19 वें दिन स्थिर

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में कल करीब एक फीसदी की तेजी आने के बावजूद आज लगातार 19 वें दिन घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया। सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने आज पेट्रोल और डीजल के भाव को स्थिर रखा। केन्द्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमशः पांच रुपये तथा 10 रुपये प्रति लीटर की कमी करने से देश में इसकी कीमतों में कमी आयी थी। इसके बाद उत्तर प्रदेश, कर्नाटक सहित देश के 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने इन दोनों उत्पादों पर मूल्य वर्धित कर (वैट) में कमी की है। इससे संबंधित राज्यों में इन दोनों पेट्रोलियम उत्पाद की कीमतों में और कमी आयी है। तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक के उत्पादन में फिर से बदलाव के संकेत दिये जाने के बाद कल कारोबार के दौरान कच्चे तेल में एक फीसद तक की बढोतरी हुयी थी। कल कारोबार बंद होने पर ब्रेट क्रूड 0.81 डॉलर की बढ़त के साथ 79.70 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 0.65 डॉलर चढ़कर 76.75 डॉलर प्रति बैरल पर रहा था। घरेलू बाजार में मंगलवार को 19 वें दिन भी पेट्रोल और डीजल के लिमिटेड (आईओसीएल) के पंप पर पेट्रोल की कीमत 103.97 रुपये प्रति लीटर और डीजल के दाम 86.67 रुपये प्रति लीटर पर टिके रहे।

दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ। राजधानी दिल्ली में देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन पेट्रोल–डीजल के मूल्यों की रोजाना समीक्षा होती है और उसके आधार पर हर दिन सुबह छह बजे से नई कीमतें लागू की जाती हैं।

वेब सीरीज डिकपल्ड में माधवन के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी सोनिया राठी

मुंबई, (वेब वार्ता)। दिवंगत अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला के साथ ब्रोकन बट ब्यूटीफुल 3 में रूमी देसाई के अपने ऑन–स्क्रीन चरित्र से लोकप्रिय हुई अभिनेत्री सोनिया राठी जल्द ही आगामी वेब श्रृंखला डिकपल्ड में दिखाई देंगी। इसमें आर. माधवन और अभिनेत्री सुरवीन चावला मुख्य भूमिकाओं में हैं। हाल ही में जारी ट्रेलर के लिए सोनिया दर्शकों की प्रतिक्रिया देखने के लिए उत्सुक हैं और साथ ही वह माधवन के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने के लिए उत्सुक हैं, साथ मैंने कभी स्क्रीन स्पेस साझा किया है। वह है एक अविश्वसनीय अभिनेता है, और उससे सीखने के लिए बहुत कुछ था। किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम करना एक सुंदर अनुभव था जो उनके जैसा दयालु और प्रतिभाशाली है और

जो एक लेखक आर्य अय्यर की भूमिका निभा रहे हैं। सोनिया डिकपल्ड में माधवन के साथ अपने काम के अनुभव के बारे में साझा करती हैं और कहती हैं कि हमने इसे लगभग एक साल पहले शूट किया था, इसलिए तकनीकी रूप से वह पहले अभिनेता थे जिनके यह अनुभव कुछ ऐसा है जिसे मैं हमेशा बनाए रखूंगा। सोनिया फिलहाल लंदन में अपनी अगली फिल्म तारा वर्सेज बिलाल की शूटिंग कर रही हैं, जिसका निर्माण जॉन अब्राहम प्रोडक्शंस कर रहा है। डिकपल्ड 17 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

भूकंप के रहस्यों को उजागर करने के लिए ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों ने यात्रा शुरू की

कैनबरा, (वेब वार्ता)। ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी (एएनयू) के शोधकर्ताओं ने पृथ्वी की आंतरिक परतों के रहस्यों को उजागर करने के लिए एक यात्रा शुरू की है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, एएनयू के नेतशत्व वाली टीम 10 नवंबर को दक्षिणी महासागर में मैक्वेरी द्वीप के पास समुद्र तल से 27 सीस्मोमीटर – भूकंप के दौरान जमीन की गति को रिकॉर्ड करने वाले उपकरण को पुनः प्राप्त करने के लिए तीन सप्ताह के मिशन पर रवाना हुई। ये उपकरण अक्टूबर 2020 में पश्थ्वी के केंद्र की ओर इशारा करते हुए तैनात किए गए थे और अत्यधिक पानी के नीचे भूकंप पर डेटा एकत्र कर रहे हैं। शोधकर्ताओं को उम्मीद है कि डेटा उन्हें पृथ्वी की आंतरिक परतों को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेगी। एएनयू के रिसर्च स्कूल ऑफ अर्थ साइंसेज के मुख्य वैज्ञानिक टाल्सिक ने मीडिया से कहा, यह एक ऐसे क्षेत्र में है जहां ऑस्ट्रेलियाई प्लेट प्रशांत प्लेट से मिलती है, लेकिन इसे एक सक्रिय सबडक्शन क्षेत्र के रूप में नहीं जाना जाता है, इसलिए ये भूकंप अभी भी हमारे लिए एक रहस्य हैं। टाल्सिक के मुताबिक, वैज्ञानिक रूप से, इस परियोजना का सबसे रोमांचक भुगतान यह हो सकता है कि यह प्लेट टेक्टोनिक्स में सबसे बड़ी पहेली में से एक में लापता टुकड़ों को जोड़ने में हमारी मदद कर सकता है, सबडक्शन कैसे शुरू होता है। कॉमनवेल्थ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (सीएसआईआरओ) ने 24 दिनों की यात्रा के लिए न्यूजीलैंड के अनुसंधान पोत आरवी तंगारोआ को कमीशन किया। टाल्सिक ने कहा कि एक सिस्मोमीटर को पुनः प्राप्त करने में छह घंटे तक लग सकते हैं और सतह पर वापस चढ़ने में दो घंटे लग सकते हैं। उपकरण मैक्वेरी द्वीप के आसपास रहे हैं, जो दक्षिणी महासागर के फ्यूरियस फिफ्टीज अक्षांशों में एक क्षेत्र है जो अपने चरम समुद्र और मौसम के लिए प्रसिद्ध है। हमारे उपकरणों की तैनाती के दौरान मौसम अक्सर खराब था। हमें तेज हवाओं और लहरों का सामना करना पड़ा जिसने हमें अध्ययन क्षेत्र में हमारे लगभग 40 प्रतिशत समय के लिए मैक्वेरी द्वीप की ली में हेव–टू या आश्रय के लिए मजबूर किया।

बलिया में किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म

बलिया, (वेब वार्ता)। बलिया जिले के गड़वार थाना क्षेत्र के एक गांव की 13 वर्षीय एक किशोरी के साथ दो युवकों ने कथित रूप से सामूहिक बलात्कार किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गड़वार थाना के प्रभारी दुर्गेश्वर मिश्र ने मंगलवार को बताया कि किशोरी के साथ सोमवार की शाम उसके पड़ोसी गांव के दो युवकों विशाल सिंह और अखण्ड सिंह ने कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया। घटना के समय किशोरी शौच के लिए गई हुई थी। उन्होंने बताया कि किशोरी के पिता की शिकायत पर कल शाम गड़वार थाना में विशाल सिंह और अखण्ड सिंह के विरुद्ध लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉस्को एक्ट) तथा भारतीय दंड संहिता की सुसंगत धारा के तहत नामजद मुकदमा दर्ज किया गया। किशोरी को मेडिकल जांच के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

26 नवम्बर को संविधान दिवस के अवसर पर टामसन कालेज में वृहद कार्यक्रम का होगा आयोजन

कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर डीएम ने नामित किए नोडल अधिकारी'

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। 26 नवम्बर संविधान दिवस के मौके पर नगर के शहीदे आजम सरदार भगत सिंह इन्टर कालेज में वृहद कार्यक्रम का आयोजन होने जा रहा है। डीएम मार्कण्डेय शाही ने नगर मजिस्ट्रेट अर्पित गुप्ता को कार्यक्रम का नोडल अधिकारी नामित करते हुए तैयारियों की जिम्मेदारी दी है।

नगर मजिस्ट्रेट अर्पित गुप्ता ने बताया कि 26 नवम्बर को संविधान दिवस के अवसर पर प्रातः 10 बजे राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज, सरयू प्रसाद कन्या पाठशाला विद्यालय, रघुकुल विद्यापीठ, लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय तथा शहीदे आजम सरदार भगत सिंह इंटर कॉलेज के छात्र–छात्राओं द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकाली जाएगी जो टामसन ग्राउण्ड में समाप्त होगी। रैली समापन के बाद दोपहर साढ़े 12 बजे टामसन में ही सभी छात्र–छात्राओं को संविधान दिवस के अवसर पर संविधान की प्रस्तावना, अधिकार व कर्तव्य के बारे में जानकारी देने के साथ मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई जाएगी। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों को सख्त निर्देश दिए हैं कि सभी सरकारी कार्यालयों में अनिवार्य रूप से दोपहर साढ़े 12 बजे अधिकारियों–कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना, अधिकार व

कर्तव्य के बारे पढ़कर सुनाया जाय तथा संविधान व मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई जाय। कार्यक्रम के सकुशल आयोजन को लेकर जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला परियोजना अधिकरी डूडा, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला दिव्यांगजन कल्याण अधिकारी तथा जिला विद्यालय निरीक्षक को नोडल अधिकारी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम स्थल पर सम्बन्धित कालेज के बीएलओ, सुपरवाइजर, तथा पदाभिहित अधिकारी उपस्थित रहेगें। वहीं पर मतदाता पंजीकरण हेतु सम्बन्धित विद्यालयों को स्टाल भी लगेगा जिसमें पंजीकरण तथा संशोधन आदि का कार्य किया जाएगा। इसके अलावा सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों, परिषदीय विद्यालयों, इंटर कालेजों, महाविद्यालयों में भी कार्यक्रम का आयोजन होगा।

परिवार पूरा होने पर नसबंदी अपनाएं-जीवन में खुशहाली लाएं

जनपद में चार दिसंबर तक चलेगा पुरुष नसबंदी पखवाड़ा

अवध की आवाज ब्यूरा

उन्नाव। परिवार कल्याण कार्यक्रमों के तहत परिवार नियोजन के साधन अपनाने के लिए बास्केट ऑफ च्वाइस उपलब्ध है। महिला और पुरुष स्वेच्छा से स्थायी या अस्थायी साधन का चुनाव कर सकते हैं। चाहे वह दो बच्चों के जन्म के बीच अंतर रखना हो या परिवार पूरा होने पर नसबंदी की प्रक्रिया को अपनाना हो।

परिवार कल्याण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. वी. के. गुप्ता का कहना है अगर महिला स्वस्थ होगी तभी वह अपना, अपने बच्चों और परिवार का ख्याल रख पाएगी। महिलाओं को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए परिवार पूरा होने के बाद नसबंदी को अपनाना चाहिए। यह पूरी तरह सुरक्षित है। वर्तमान में त्योहारों का मौसम खत्म हो गया है और अभी खेतों में काम भी कम है ऐसे में महिलाएं अपने गाँव की आशा या निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर इससे संबंधित सलाह ले सकती हैं और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और जिला अस्पताल पर सेवा प्राप्त कर सकती हैं। इसके अलावा नियत सेवा दिवस जैसे अंतराल दिवस और खुशहाल परिवार दिवस के दिन भी महिला नसबंदी करवा सकती हैं। इसके साथ ही प्रसव के पश्चात पीपीआईयूसीडी लगवाने पर पर महिला के खाते में 300 रुपये भेजे जाते हैं। आशा कार्यकर्ता को भी 150 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। त्रैमासिक गर्भनिरोधक इंजेक्शन अंतरा की प्रत्येक डोज लगवाने पर महिला को 100 रुपये तथा प्रत्येक डोज लगवाने के लिए 100 रुपये की प्रोत्साहन राशि आशा कार्यकर्ता को दी जाती है।

डा. गुप्ता बताते हैं– जनपद में 22 नवंबर से पुरुष नसबंदी पखवाड़ा शुरू हुआ है, जो चार दिसंबर तक चलेगा। इसके तहत जिला अस्पताल में प्रशिक्षित चिकित्सकों की टीम द्वारा नसबंदी की निःशुल्क सेवा दी जा रही है। पुरुष नसबंदी महिला नसबंदी की अपेक्षा ज्यादा सरल है। यह बिना चीरा टांका वाली एक आसान प्रक्रिया है और परिवार नियोजन का एक स्थायी साधन है। पुरुष नसबंदी वह सभी पुरुष करवा सकते हैं जो 60 वर्ष से काम आयु के हैं और जिनका कम से कम एक साल का बच्चा हो। जिनका परिवार पूरा हो गया हो। महिला नसबंदी कराने पर महिला को 2000 रुपये की प्रोत्साहन राशि तथा प्रेरक को 300 रुपये की धनराशि दी जाती है। पुरुष नसबंदी कराने पर पुरुष को 3000 रुपये की प्रोत्साहन राशि तथा प्रेरक को 400 रुपये की धनराशि दी जाती है। परिवार कल्याण कार्यक्रम से संबंधित जानकारी 104 पर कॉल कर ली जा सकती है।

15वाँ वित्त आयोग की संस्तुतियों के अनुरूप प्राप्त निर्दिष्ट अनुदान की प्रथम किश्त की धनराशि से नगरीय निकायों द्वारा कराये जाने वाले कार्यो की कार्ययोजना की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति हेतु कार्ययोजना पर बैठक का आयोजनरू

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। (सू0वि0) जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में आज वित्तीय वर्ष 2021–22 हेतु 15वाँ वित्त आयोग की संस्तुतियों के अनुरूप प्राप्त निर्दिष्ट अनुदान की प्रथम किश्त की धनराशि से नगरीय निकायों द्वारा कराये जाने वाले कार्यो की कार्ययोजना की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति हेतु कार्ययोजना पर बैठक का आयोजन अपर जिलाधिकारी श्री नरेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित पन्नालाल सभागार में किया गया। बैठक में अवगत कराया गया कि नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत में निर्माण/विकास कार्यो को कराये जाने हेतु एक मानक संचालन प्रक्रिया का निर्धारण किया गया है तथा यह निर्देश दिये गये हैं कि नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत में भविष्य में कार्य/परियोजना का चयन, आगणन तैयार कराने, बजट निर्धारण, प्रशासनिक एवं तकनीकी स्वीकृति आदि के लिये कार्यवाही उक्त मानक संचालन प्रक्रिया के आधार पर ही किया जाना सुनिश्चित किया जायें। इससे कार्यो के निष्पादन में पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सकेगी तथा गुणवत्ता में भी सुधार आयेगा। समस्त अधिशासी अधिकारियों द्वारा वित्तीय वर्ष 2020–21 हेतु 15वाँ वित्त आयोग की संस्तुतियों के अनुरूप नगर पालिका परिषदों/नगर पंचायतों को स्वीकृत बुनियादी अनुदान व निर्दिष्ट अनुदान की द्वितीय किश्त की धनराशि से कराये जाने वाले कार्यो की कार्ययोजना शासनादेश द्वारा निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया के अन्तर्गत तैयार की गयी तथा कार्ययोजना के साथ इस आशय का प्रमाण पत्र भी संलग्न किया गया।

समिति द्वारा कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गयी। उक्त कार्ययोजना में निर्माण कार्यो के आगणन अवर अभियन्ता, नगर पालिका परिषद, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, लोक निर्माण विभाग द्वारा तैयार किया गया है। बैठक में निर्देश दिये गये कि सभी निर्माण कार्य ई–टेण्डर के माध्यम से ही कराये जायेंगे। ई–टेण्डर में यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि वास्तविक दरों के ही टेण्डर कराये जायें। सामग्री व उपकरण की अनुमानित लागत राशि दी गयी है। शासन द्वारा निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया 30.06.2021 का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाये। निकाय क्षेत्र में कार्यो को गुणवत्ता से सम्पादित कराने का दायित्व सम्बन्धित अधिशासी अधिकारी अभियन्ताओं का होगा। यदि किसी निर्माण कार्य की जॉच में कार्य की गुणवत्ता निम्न स्तर की पाई जाती है या त्रुटिपूर्ण मापी के कारण अधिक भुगतान हुआ पाया जाता है तथा निम्न गुणवत्ता या अधिक भुगतान के कारण शासन को हानि होनी पायी जाती है तो उस हानि की वसूली 50 प्रतिशत ठेकेदार से तथा 50 प्रतिशत उत्तरदायी विभागीय/ अधिकारियों/ कर्मचारियों से की जायेगी। बैठक में निकायों द्वारा प्रस्तुत कार्ययोजना पर अपर जिलाधिकारी(वि0/रा0) नरेन्द्र सिंह,समस्त अध्यक्ष/अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत, अधिशाषी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग उन्नाव, अधिशाषी अभियन्ता जल निगम निर्माण खण्ड उन्नाव व उपस्थित रहे।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954
मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।